

## सेकेंडरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017

अंक योजना – सामाजिक विज्ञान (ऑल इण्डिया) कोड संख्या 32/1, 32/2, 32/3

### सामान्य निर्देश :

1. अंक योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु सामान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है। अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता है, परन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे पूर्ण अंक दिए जाएं।
2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं हो। अंक योजना यथावत पालन किया जाए और उसका उपयोग नियमित किया जाए।
3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के अंको का योग वाई ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलाकृति किया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
5. यदि किसी परीक्षार्थी ने किसी विकल्प प्रश्न का उत्तर लिख दिया है तो जिस प्रश्न में अधिक अंक मिले हैं, उसे रखा जाए और दूसरे को निरस्त किया जाए।
6. मूल्यांकन करते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए कि इस स्तर पर 'सामाजिक विज्ञान' विषय सामान्य शिक्षा का अंग है। इसलिए इसके चारों विषयों :- इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र तथा अर्थशास्त्र के विशिष्ट अध्ययन की अपेक्षा नहीं है।
7. उन प्रश्नों के छोड़कर, जिनमें परीक्षार्थियों से ज्ञान-आधारित सूचनाओं की अपेक्षा है, अन्य प्रश्नों में परीक्षार्थियों के उत्तरों का मूल्यांकन करते समय उत्तर में परिलक्षित बोधात्मकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बिना कोई व्याख्या केवल सूचीबद्ध बिन्दुओं को परीक्षार्थियों के ज्ञान का उपयुक्त संकेत न माना जाए।
8. बहुसंख्यक बिन्दुओं की अपेक्षा कम बिन्दु होते हुए भी यदि उनका अच्छी तरह से स्पष्टीकरण दिया गया है तो ऐसे उत्तरों के पक्ष में आंकलन किया जाए।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है, ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर, उत्तरों का तथ्यपरक मूल्यांकन कर सकें।
10. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने – 0 से 90 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।
11. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये दिशा निर्देश मात्र हैं। ये अपने में पूर्ण उत्तर नहीं हैं। विद्यार्थियों की अपनी-अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है। यदि विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो तदनुसार अंक देने हैं।
12. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति प्रार्थना पर निर्धारित शुल्क के भुगतान पर प्राप्त कर सकेंगे। सभी परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार पुनः ध्यान दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करने समय प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं का कड़ाई से परिपालन किया जाए।
13. सभी मुख्य परीक्षकों/परीक्षकों को निर्दिष्ट किया जाता है कि जब वे उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर रहे हों, यदि उत्तर को पूर्णतः गलत पाते हैं तो गलत उत्तर के लिए (X) अंकित करना चाहिए और 'O' अंक दिया जाना चाहिए।
14. परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन से पूर्व 'स्थल मूल्यांकन' के लिए मार्ग दर्शन में दिए गए मार्ग दर्शनों की जानकारी प्राप्त कर लें।
15. प्रत्येक परीक्षक प्रतिदिन मूल्यांकन स्थल पर पर्याप्त समय जो सामान्यतः 5-6 घण्टे है तक कार्य करके उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें तथा प्रत्येक उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए 20-25 मिनट का समय लगाएं।
16. प्रत्येक परीक्षक प्रश्न पत्र के प्रत्येक सेट की अंक योजनाओं से स्वयं को अवगत कर लें।

**अंक योजना**  
**सामाजिक विज्ञान (अखिल भारतीय)**  
**सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017**  
**संकलित परीक्षा-II**  
**कोड 32/1**

प्रश्न संख्या	संभावित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक
1	हिंद स्वराज' पुस्तक के लेखक महात्मा गाँधी है। इति0 56	1
2	राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 2 का संबंध ब्रह्मपुत्र नदी से है। भू. 93	1
3	<b>दबाव-समूह और राजनीति दल में एक अंतर :-</b> राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं और सरकार में सत्ता प्राप्त करते हैं। जबकि दबाव समूहों का उद्देश्य सरकार की नीतियों को प्रभावित करना है। लोक0 63	1
4	'लोकतंत्र शासन का वह स्वरूप है जिसमें लोग अपने शासकों का चुनाव स्वयं करते हैं।' लोक0 111	1
5	<b>भारत के राजनीतिक दल जिनका जन्म आंदोलन से हुआ :-</b> (I) असम गण परिषद (II) डी.एम.के. (द्रविड मुनेत्र कड़गम) (III) ए.आई.ए.डी.एम.के. (ऑल इंडिया अन्ना डी.एम.के.) (IV) आप (आम आदमी पार्टी) (किसी एक दल का नाम उल्लेख) लोक0 67,82	1
6	जिस व्यक्ति के पास मुद्रा है, वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। उदाहरण - जूता बनाने वाला पहले जूतों के बदले मुद्रा प्राप्त करेगा और फिर उस मुद्रा का इस्तेमाल गेहूँ खरीदने के लिए करेगा। कोई अन्य संबद्ध उदाहरण अर्थ0 39	1
7	<b>उपभोक्ता के चुनने के अधिकारी के उल्लंघन का उदाहरण -</b> यदि आप एक दंत मंजन खरीदना चाहते हैं और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंतमंजन तभी बेचेगा जब आप दंतमंजन के साथ एक ब्रश भी खरीदेंगे। अगर आप ब्रश खरीदने के इच्छुक नहीं हैं, तब आपके चुनने के अधिकार उल्लंघन हुआ। कोई अन्य संबद्ध उदाहरण (एक उदाहरण की व्याख्या अपेक्षित।) अर्थ0 80	1
8	<b>पैकेटों पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य हमारे लिए लाभकारी है :-</b> (i) विक्रेता मुद्रित मूल्य से अधिक दाम पर वस्तु को नहीं बेच सकता है।	

	<p>(ii) हम अधिकतम खुदरा मूल्य से कम दाम पर वस्तु देने के लिए मोल भाव कर सकते हैं। (किसी एक बिंदु का उल्लेख उपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">अर्थ0 80</p>	1
9	<p><b>1830 के दशक में यूरोप में आई आर्थिक कठिनाइयां :-</b></p> <p>(i) यूरोप में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई। (ii) अधिकांश देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादाद उपलब्ध रोजगार से अधिक थी। (iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी। (iv) नगरों के लघु उत्पादकों का अकसर इंग्लैंड से आयातित मशीन से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था। (v) यूरोप के उन इलाकों में जहाँ कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता में था, कृषक, सामंती शुल्कों और जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे। (vi) खाने पीने की चीजों के मूल्य बढ़ने या किसी वर्ष फसल के खराब होने पर शहर और गांवों में व्यापक गरीबी फैल जाती थी। (vii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति. 15</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p><b>शिक्षा के क्षेत्र में फ्रांसीसियों को वियतनाम में आई समस्याएं :</b></p> <p>(i) वियतनाम के धनी और अमिजात्य तबके के लोग चीनी संस्कृति से गहरे तौर पर प्रभावित थे। (ii) फ्रांसीसियों की सत्ता को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए इस प्रभाव का समाप्त होना जरूरी था। फलस्वरूप पहले उन्होंने परंपरागत शिक्षा व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से तहस-नहस किया और फिर वियतनामियों के लिए फ्रांसीसी किस्म के स्कूल खोल दिए। (iii) समाज के खाते-पीते तबके के लोग चीनी भाषा का इस्तेमाल करते थे जिसे हटाना जरूरी था। इस सवाल पर लोगों के बीच दो मत थे। कुछ नीति-निर्माता मानते थे कि फ्रांसीसी भाषा को ही शिक्षा का माध्यम बनाया जाए। जबकि दूसरे का विचार था कि अगर छोटी कक्षाओं में वियतनामी और बड़ी कक्षाओं में फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा दी जाए तो ज्यादा बेहतर होगा। (iv) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु (किन्हीं 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति. पृ.स. 34</p>	3x1=3
10	<p><b>गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का निर्णय किया :-</b></p> <p>(i) गाँधीजी को लगता था कि विभिन्न स्थानों पर आंदोलन हिंसक होता जा रहा है।</p>	

	<p>(ii) सत्याग्रहियों को व्यापक प्रशिक्षण की जरूरत है।</p> <p>(iii) कांग्रेस के कुछ नेता इस तरह के जनसंघर्षों से थक चुके थे। वे चुनाव में हिस्सा लेना चाहते थे।</p> <p>(iv) चौरी चौरा घटना आंदोलन को वापस लेने का तात्कालिक करण बनी।</p> <p>(v) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु। (किन्ही 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति0 62</p>	3x1=3
11	<p><b>सविनय अवज्ञा आंदोलन में व्यवसायी वर्गों की भूमिका :</b></p> <p>(i) व्यवसायी वर्गों ने ऐसी औपनिवेशिक नीतियों का विरोध किया जिनके कारण उनकी व्यावसायिक गतिविधियों में रूकावट आती थी।</p> <p>(ii) वे विदेशी वस्तुओं के आयात से सुरक्षा चाहते थे और रूपया-स्टर्लिंग विदेशी विनिमय अनुपात में बदलाव चाहते थे।</p> <p>(iii) व्यवसायिक हितों को संगठित करने के लिए उन्होंने 1920 में भारतीय औद्योगिक एवं व्यवसायिक कांग्रेस और 1927 में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (फिक्की) का गठन किया।</p> <p>(iv) उन्होंने आंदोलन के लिए आर्थिक सहायता दी।</p> <p>(v) उन्होंने आयातित सामानों को खरीदने और बेचने से इंकार कर दिया।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किंहीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">इति0 66</p>	3x1=3
12	<p><b>भारत में दुर्ग-बस्तर-चंद्रपुर लोह-अयस्क पेट्टी की विशेषताएं :</b></p> <p>यह क्षेत्र महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के अंतर्गत है।</p> <p>(ii) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बेलाडिला पहाड़ी श्रृंखलाओं में अति उत्तम कोटि का हेमेटाइट पाया जाता है।</p> <p>(iii) पर्वत की श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ कोटि के हेमेटाइट लोह अयस्क के 14 जमाव हैं।</p> <p>(iv) इसमें इस्पात बनाने में आवश्यक सर्वश्रेष्ठ भौतिक गुण विद्यमान हैं।</p> <p>(v) इन खदानों का लौह अयस्क विशाखापट्टनम पत्तन से जापान तथा दक्षिण कोरिया को निर्यात किया जाता है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">भू. 56</p>	3x1=3
13	<p><b>भारत के आर्थिक विकास में विनिर्माण क्षेत्रक की भूमिका -</b></p> <p>(i) विनिर्माण उद्योग न केवल कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक है वरन् कृषिआमदनी पर लोगों की निर्भरता को बहुत अधिक मात्रा में कम करता है।</p> <p>(ii) गरीबी और बेरोजगारी कम करता है।</p> <p>(iii) निर्मित वस्तुओं का निर्यात वाणिज्य व्यापार को बढ़ाता है जिससे अपेक्षित विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।</p> <p>(iv) वे देश ही विकसित हैं जो कच्चे माल को विभिन्न तथा अधिक मूल्यवान तैयार माल में विनिर्मित करते हैं।</p>	

	<p>(v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">भू. 67</p>	3x1=3
14	<p><b>परिवहन और संचार के साधनों की भूमिका</b></p> <p>(i) सक्षम परिवहन के साधन तीव्र विकास हेतु पूर्व अपेक्षित हैं। (ii) सक्षम व तीव्र गति वाले परिवहन से आज संसार एक बड़े गांव में परिवर्तित हो गया है। (iii) आज भारत अपने विशाल आकार के बावजूद संसार के सभी क्षेत्रों से सुचारु रूप से जुड़ा हुआ है। (iv) रेल, वायु एवं जल परिवहन समाचार पत्र रेडियो दूरदर्शन सिनेमा तथा इंटरनेट आदि इसके सामाजिक – आर्थिक विकास में अनेक प्रकार से सहायक हैं। (v) स्थानिक से अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय व्यापार ने अर्थव्यवस्था को जीवनशक्ति दी है। (vi) इसने हमारे जीवन को समृद्ध किया तथा आरामदायक जीवन के लिए सुविधाओं व साधनों में बढ़ोतरी की है। (vii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">भू. 87</p>	3x1=3
15	<p><b>लोकतंत्र के विकास में जनसंघर्षों की भूमिका :</b></p> <p>(i) लोकतंत्र का विकास जन-संघर्ष के द्वारा होता है। (ii) लोकतांत्रिक संघर्ष का समाधान जनता की व्यापक लाभबंदी के द्वारा होता है। (iii) ऐसे संघर्ष और लाभबंदियों का आधार राजनीतिक संगठन होते हैं। (iv) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">लोक0 60,61</p>	3x1=3
16	<p><b>दबाव-समूह और आंदोलन लोकतंत्र को मजबूत करते हैं :-</b></p> <p>दबाव-समूह और आंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं। इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना अथवा अर्जी दायर करने जैसे तरीकों का सहारा लिया जाता है। (ii) ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं। कुछ मामलों में दबाव-समूह दलों द्वारा ही बनाए गए होते हैं अथवा उनका नेतृत्व राजनीतिक दल के नेता करते हैं। कुछ दबाव-समूह राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में काम करते हैं। (iv) कभी-कभी आंदोलन राजनीतिक दल का रूप अख्तियार कर लेते हैं। (v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।</p>	

	(किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) लोक0 66,67	3x1=3
17	<p>लोकतांत्रिक से संबद्ध मूल्य जो सद्भावपूर्ण सामाजिक जीवन उपलब्ध करते हैं :-</p> <p>(i) समस्त लोगों में समानता।  (ii) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान।  (iii) लोकतंत्र अनेक सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करता है।  लोकतंत्र टकरावों के विस्फोटक या हिंसक रूप लेने के अंदेश को कम करनता है।  (v) सामाजिक अंतर विभाजन और टकरावों को संभालने का गुण।  (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।</p> <p>(किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) लोक. 96</p>	3x1=3
18	<p>भारत में बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियाँ :</p> <p>(i) बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं।  (ii) बैंक जमा राशि का लोगों की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।  (iii) बैंक जिनके पास अतिरिक्त राशि है (जमाकर्ता) एवं जिन्हें राशि की जरूरत है (कर्जदार) के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं।  (iv) बैंक जमा पर जो ब्याज देते हैं उससे ज्यादा ऋण पर लेते हैं।  (v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।</p> <p>(किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) अर्थ0 42</p>	3x1=3
19	<p>बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विश्वभर के उत्पादों को एक दूसरे के साथ जोड़ती हैं –</p> <p>(i) बहुराष्ट्रीय कंपनियें कई तरह से अपने उत्पादक कार्य का प्रसार कर रही हैं।  (ii) विश्व के कई देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ पारस्परिक संबंध स्थापित कर रही हैं। स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी द्वारा आपूर्ति के लिए स्थानीय कंपनियों से निकट प्रतिस्पर्धा करके अथवा उन्हें खरीदकर।  (iii) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दूरस्थ स्थानों के उत्पादन पर अपना प्रभाव जमा रही हैं।  (iv) परिणामतः दूर-दूर स्थानों पर फैला उत्पादन परस्पर संबंधित हो रहा है।  (v) उदाहरण कारगिल फूड्स, प्रकाश फूड्स  कोई अन्य संबद्ध बिंदु  (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) अर्थ 58</p>	3x1=3
20	<p>उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम (कोपरा) के अंतर्गत त्रि-स्तरीय न्यायिक तंत्र :-</p> <p>(i) कोपरा के अंतर्गत देश, राज्य और जिला स्तर पर त्रि-स्तरीय न्यायिकतंत्र स्थापित किया गया है।  (ii) जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमां पर विचार करता है।</p>	

	<p>(iii)राज्य स्तरीय अदालतें 20 लाख से 1 करोड़ तक।          (iv) राष्ट्रीय स्तर की अदालतें एक करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमें देखती है।</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 84</p>	3x1=3
21	<p><b>राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई:</b></p> <p>(i) फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीति और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूहों में हस्तांतरित हो गई।          (ii) फ्रांसीसी लोगों में पितृभूमि और नागरिक के साथ सामूहिक पहचान की भावना का पैदा होना।          (iii) नेशनल एसेंबली का निर्माण।          (iv) नई स्तुतियाँ रची गई, शपथ ली गई।          (v) समान केंद्रीय कानून शुरू किए गए।          (vi) आंतरिक आयात-निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गई।          (vii) फ्रेंच राष्ट्र की साझा भाषा बन गई।          (viii) क्रांतिकारी युद्धों के शुरू होने के साथ ही फ्रांसीसी सेनाएं राष्ट्रवाद के विचार को विदेशों में ले जाने लगी।          (ix) कोई अन्य संबंध बिंदु          (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">इति 5</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>अमेरिका को वियतनाम के विरुद्ध युद्ध से हटने के लिए मजबूर करने वाले कारण :</p> <p>(i) युद्ध के लंबा खिंचते जाने से अमेरिका में भी लोग सरकार के खिलाफ बोलने लगे थे।          (ii) यह साफ दिखाइ दे रहा था कि अमेरिका अपने लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा है।          (iii) अमेरिका ने तो वियतनामियों के प्रतिरोध को कुचल पाया था और न ही अमेरिकी कार्यवाही के लिए वियतनामी जनता का समर्थन प्राप्त कर पाया।          (iv) इस दौरान हजारों नौजवान अमेरिकी सिपाही अपनी जान गवां चुके थे। सरकारी नीति के खिलाफ व्यापक प्रतिक्रियाओं ने युद्ध खत्म करने के प्रयासों को और बल प्रदान किया।          (vi) अमेरिकी मीडिया और फिल्मों ने युद्ध के पक्ष और विरोध दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।          (vii) कोई अन्य संबंध बिंदु          (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख कीजिए)</p>	5x1=5
22	<p>औपनिवेशिक सरकार ने 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' का दमन किया :</p> <p>(i)औपनिवेशिका सरकार ने 'सविनय अवज्ञा आंदोलन का दमन करने के लिए</p>	

	<p>निर्मम दमन का रास्ता अपनाया।</p> <p>(ii) सरकार कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार करने लगी। बहुत सारे स्थानों पर हिंसक टकराव हुए।</p> <p>(iii) अप्रैल 1930 में महात्मा गाँधी के समर्पित साथी अब्दुल गफ्फार खान को गिरफ्तार किया गया।</p> <p>(iv) गुस्साई भीड़ सशस्त्र बख्तरबंद गाड़ियों और पुलिस की गोलियों का सामना करते हुए सड़कों पर उत्तर आई।</p> <p>(v) महात्मा गाँधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।</p> <p>(vi) भयवीत सरकार ने निर्मम दमन का रास्ता अपनाया और बच्चों को पीटा गया।</p> <p>(vii) लगभग एक लाख लोग गिरफ्तार किए गए।</p> <p>(viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का परख अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति 64</p>	5x1=5
23	<p><b>खनिजों का संरक्षण आवश्यक हैं –</b></p> <p>(i) खनिज निर्माण की भूगर्भिक प्रक्रियाएँ इतनी धीमी है कि उनके वर्तमान में उपभोग की दर की तुलना में उनके पुनर्मरण की दर अपरिमित रूप से थोड़ी है।</p> <p>(ii) खनिज संसाधन सीमित तथा अनवीकरण योग्य है।</p> <p>(iii) धरातल पर अधिकांश खनिज ससमान रूप से वितरित हैं। (कोई एक बिंदु)</p> <p><b>खनिज संसाधनों के संरक्षण के चार उपाय :</b></p> <p>(i) खनिज संसाधनों का सुनियोजित एवं सतत् पोषणीय ढंग से उपयोग करना।</p> <p>(ii) निम्न कोटि के अयस्कों का कम लागतों पर प्रयाग करने लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का सतत् विकास करते रहना होगा</p> <p>(iii) धातुओं का पुनः चक्रण।</p> <p>(iv) रद्दी धातुओं का उपयोग।</p> <p>(v) अन्य प्रतिस्थापनों का उपयोग।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं चार बिंदुओं का व्याख्या अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">भू. 61</p>	1+4=5
24	<p><b>भारतीय अर्थव्यवस्था में रसायन उद्योगों की भूमिका :</b></p> <p>(i) इसकी भागेदारी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 3 प्रतिशत है।</p> <p>(ii) यह उद्योग एशिया का तीसरा तथा विश्व में आकार की दृष्टि से 12वें स्थान पर है।</p> <p>(iii) इसमें लघु तथा वृहत दोनों प्रकार की विनिर्माण इकाइयाँ सम्मिलित हैं।</p> <p>(iv) अकार्बनिक और कार्बनिक दोनों क्षेत्रों में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।</p> <p>(v) कार्बनिक रसायनों में पेट्रोरसायन शामिल है जो क्रत्रिम वस्त्र कृत्रिम रबर</p>	



	<p>प्लास्टिक, रंजक पदार्थ, दवाइयों, औषध रसायनों के बनाने में प्रयोग किए जाते हैं।</p> <p>(vi) अकार्बनिक रसायनों में सलफ्यूरिक अम्ल, उर्वरक, कृत्रिम वस्त्र, प्लास्टिक गोंद, रंग रोगन आदि सम्मिलित हैं।</p> <p>(vii) रसायन उद्योग अपने आप में एक बड़ा उपभोक्ता भी है।</p> <p>(viii) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	भू. 79	5x1=5
25	<p><b>लोकतंत्र की विशेषताएँ :</b></p> <p>(i) नागरिकों में समानता को बढ़ावा देना है।</p> <p>(ii) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।</p> <p>(iii) इससे फैसलों में बेहतरी आती है।</p> <p>(iv) टकरावों को टालने संभालने का तरीका देता है।</p> <p>(v) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	लोक0 90	5x1=5
26	<p><b>कानून बनाकर राजनीति को सुधारना अति कठिन है—</b></p> <p>(i) सावधानी से बनाए गए कानून गलत राजनीतिक आचरणों को हतोत्साहित और अच्छे कामकाज को प्रोत्साहित करेंगे।</p> <p>(ii) विधिक संवैधानिक बदलावों को ला देने मात्र से लोकतंत्र की चुनौतियों को हल नहीं किया जा सकता (उदाहरण क्रिकेट में एल.बी.डब्ल्यू के नियम का होना)</p> <p>(iii) कानूनी बदलाव करते समय इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि राजनीति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। कई बार परिणाम एकदम विपरीत निकलते हैं।</p> <p>(iv) लोकतांत्रिक सुधार मुख्य रूप से राजनीतिक कार्यकर्ताओं दलों, आंदोलनों और राजनीतिक रूप से सजग नागरिकों द्वारा ही किए जाते हैं।</p> <p>(v) अच्छे कानून वे हैं जो लोगों को लोकतांत्रिक सुधार करने की ताकत देते हैं।</p> <p>(vi) राजनीति कार्यकर्ताओं को अच्छा काम करने के लिए बढ़ावा देने वाले या लाभ पहुंचाने वाले कानूनों के सफल होने के संभावना अधिक होती है।</p> <p>(vii) लोकतांत्रिक सुधार तो मुख्यतः राजनीतिक दल ही करते हैं। इसलिए राजनीति सुधारों का जोर मुख्यतः लोकतांत्रिक कामकाज को अधिक मजबूत बनाने का होना चाहिए।</p> <p>(viii) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	लोक0 108	
27	<p><b>वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव :</b></p> <p>(i) वैश्वीकरण और उत्पादकों—स्थानीय एवं विदेशी दोनों के बीच वृहतर</p>		

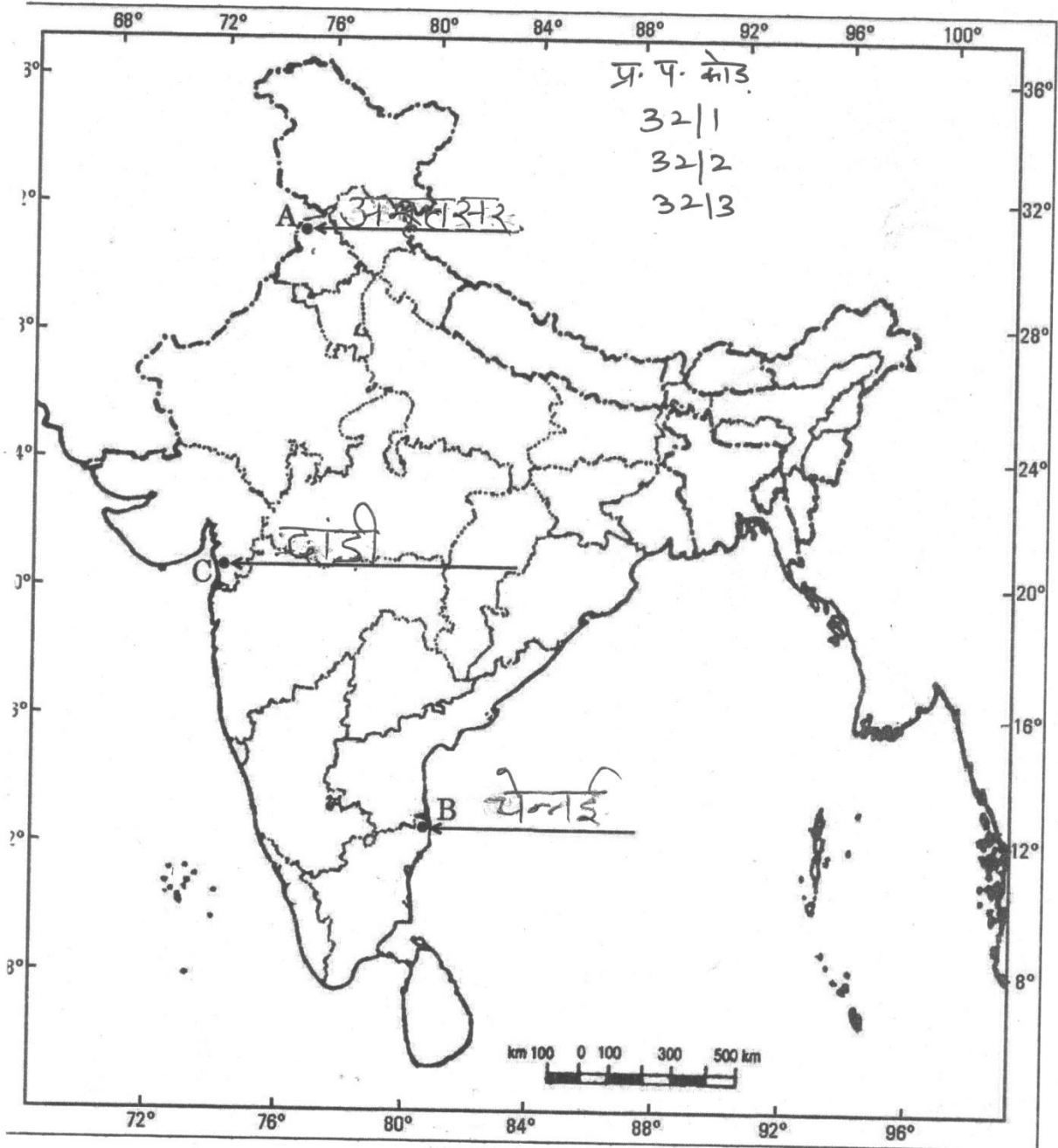
	<p>प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ।</p> <p>(ii) उनके समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं।</p> <p>(iii) ये लोग पहले की तुलना में आज अपेक्षाकृत उच्चतर जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं।</p> <p>(iv) स्थानीय कंपनियां कच्चे माल की आपूर्ति से समृद्ध हो हुई हैं।</p> <p>(v) शीर्ष भारतीय कंपनियां बड़ी हुई प्रतिस्पर्धा से लाभान्वित हुई हैं।</p> <p>(vi) कुछ भारतीय कंपनियों ने विदेशी कंपनियों के साथ सफलतापूर्वक सहयोग कर लाभ अर्जित किया।</p> <p>(vii) विगत बीस वर्षों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है। विशेषतः सेलफोन, मोटर गाड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, ठड़े पेय पदार्थ आदि।</p> <p>(viii) वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनी के रूप में उभरने के योग्य बनाया। उदाहरण – टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी एशियन पेंट्स आदि।</p> <p>(ix) कोई अन्य संबंध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 66,67</p>	5x1=5
28	<p><b>उदारीकरण का अर्थ –</b> सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया, उदारीकरण के नाम से जानी जाती है।</p> <p><b>उदारीकरण के प्रभाव :</b></p> <p>(i) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार।</p> <p>(ii) विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर से अवरोधों को काफी हद तक हटा दिया गया।</p> <p>(iii) विदेशी कंपनियां यहां अपने कार्यालय एवं कारखाने खोलने लगी ताकि उत्पादन में वृद्धि हो सके।</p> <p>(iv) व्यापार के उदारीकरण से व्यावसायियों को मुक्त रूप से निर्णय लेने की अनुमति मिली।</p> <p>(v) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं चार बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 64</p>	1+4=5

29	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए।</p> <p>केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>29.1 अमृतसर 29.2 बिहार 29.3 दांडी</p>	3x1=3
30	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए –</p> <p>केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>30.1 उत्तर प्रदेश 30.2 तमिलनाडू 30.3 छत्तीसगढ़</p>	3x1=3

न सं. 29 के लिए

For question no. 29

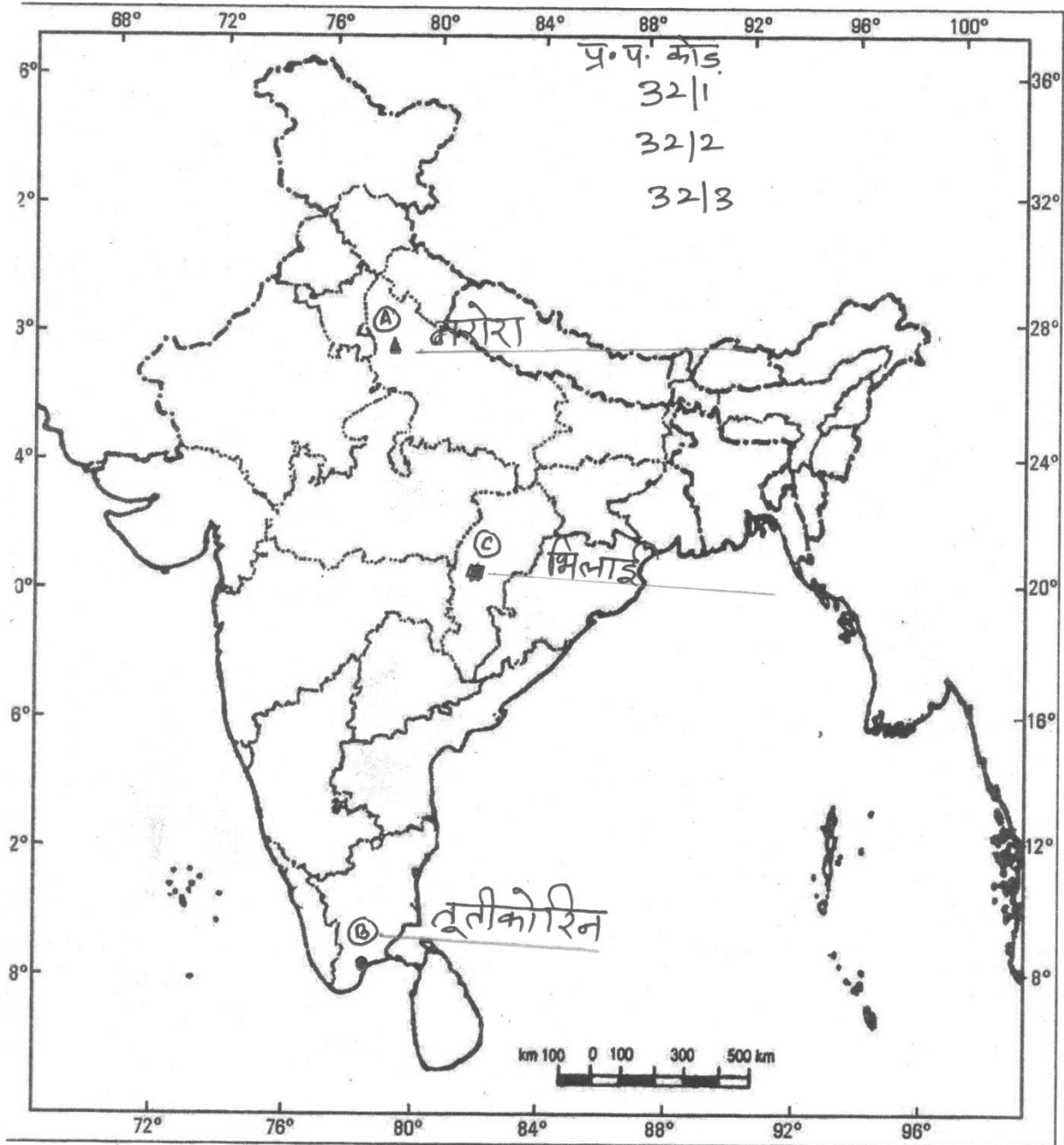
भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)



प्र. सं. 30 के लिए

For question no. 30

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)



**अंक योजना**  
**सामाजिक विज्ञान (अखिल भारतीय)**  
**सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017**  
**संकलित परीक्षा-II**  
**कोड़ 32/2**

प्रश्न संख्या	संभावित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक
1	बेगार का अर्थ – ग्रामीणों को बिना किसी परिश्रमिक के जबरन काम करवाना। इति. पृ. 591	1
2	भारत में सर्वोत्तम कोटि का लौह अयस्क – मैग्नाटाईट भू.पु.-55	1
3	सम्पूर्ण विश्व में लोकतंत्र के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है क्योंकि यह उत्तरदायी जिम्मेवार और वैध शासन है। लोक-931	1
4	जिस व्यक्ति के पास मुद्रा है, वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। उदाहरण – जूता बनाने वाला पहले जूतों के बदले मुद्रा प्राप्त करेगा और फिर उस मुद्रा का इस्तेमाल गेहूँ खरीदने के लिए करेगा। कोई अन्य संबद्ध उदाहरण अर्थ0 39	1
5	<b>8 पैकिटों पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य हमारे लिए लाभकारी है :-</b> (i) विक्रेता मुद्रित मूल्य से अधिक दाम पर वस्तु को नहीं बेच सकता है। (ii) हम अधिकतम खुदरा मूल्य से कम दाम पर वस्तु देने के लिए मोल भाव कर सकते हैं। (किसी एक बिंदु का उल्लेख उपेक्षित।) अर्थ0 80	1
6	<b>उपभोक्ता के चुनने के अधिकारी के उल्लंघन का उदाहरण –</b> यदि आप एक दंत मंजन खरीदना चाहते हैं और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंतमंजन तभी बेचेगा जब आप दंतमंजन के साथ एक ब्रश भी खरीदेंगे। अगर आप ब्रश खरीदने के इच्छुक नहीं हैं, तब आपके चुनने के अधिकार उल्लंघन हुआ। कोई अन्य संबद्ध उदाहरण (एक उदाहरण की व्याख्या अपेक्षित।) अर्थ0 80	1
7	'लोकतंत्र शासन का वह स्वरूप है जिसमें लोग अपने शासकों का चुनाव स्वयं करते हैं।' लोक0 111	1
8	<b>भारत के राजनीतिक दल जिनका जन्म आंदोलन से हुआ :-</b>	

	<p>(I) असम गण परिषद  (II) डी.एम.के. (द्रविड मुनेत्र कडगम)  (III) ए.आई.ए.डी.एम.के. (ऑल इंडिया अन्ना डी.एम.के.)  (IV) आप (आम आदमी पार्टी)  (किसी एक दल का नाम उल्लेख)</p> <p>लोक0 67,82</p>	1
9	<p><b>दबाव-समूह और आंदोलन लोकतंत्र को मजबूत करते हैं :-</b>  दबाव-समूह और आंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं। इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना अथवा अर्जी दायर करने जैसे तरीकों का सहारा लिया जाता है।  (ii) ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं।  कुछ मामलों में दबाव-समूह दलों द्वारा ही बनाए गए होते हैं अथवा उनका नेतृत्व राजनीतिक दल के नेता करते हैं। कुछ दबाव-समूह राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में काम करते हैं।  (iv) कभी-कभी आंदोलन राजनीतिक दल का रूप अख्तियार कर लेते हैं।  (v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।  (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p>लोक0 66,67</p>	3x1=3
10	<p><b>भारत में बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियां :</b>  (i) बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं।  (ii) बैंक जमा राशि का लोगों की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।  (iii) बैंक जिनके पास अतिरिक्त राशि है (जमाकर्ता) एवं जिन्हें राशि की जरूरत है (कर्जदार) के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं।  (iv) बैंक जमा पर जो ब्याज देते हैं उससे ज्यादा ऋण पर लेते हैं।  (v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।  (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p>अर्थ0 42</p>	3x1=3
11	<p><b>उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम (कोपरा) के अंतर्गत त्रि-स्तरीय न्यायिक तंत्र :-</b>  (i) कोपरा के अंतर्गत देश, राज्य और जिला स्तर पर त्रि-स्तरीय न्यायिकतंत्र स्थापित किया गया है।  (ii) जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमां पर विचार करता है।  (iii) राज्य स्तरीय अदालतें 20 लाख से 1 करोड़ तक।  (iv) राष्ट्रीय स्तर की अदालतें एक करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमों देखती हैं।</p> <p>अर्थ 84</p>	3x1=3

12	<p><b>19</b> बहुराष्ट्रीय कंपनियां विश्वभर के उत्पादों को एक दूसरे के साथ जोड़ती हैं –</p> <p>(i) बहुराष्ट्रीय कंपनियें कई तरह से अपने उत्पादक कार्य का प्रसार कर रही हैं।</p> <p>(ii) विश्व के कई देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ पारस्परिक संबंध स्थापित कर रही हैं। स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी द्वारा आपूर्ति के लिए स्थानीय कंपनियों से निकट प्रतिस्पर्धा करके अथवा उन्हें खरीदकर।</p> <p>(iii) बहुराष्ट्रीय कंपनियां दूरस्थ स्थानों के उत्पादन पर अपना प्रभाव जमा रही हैं।</p> <p>(iv) परिणामतः दूर-दूर स्थानों पर फैला उत्पादन परस्पर संबंधित हो रहा है।</p> <p>(v) उदाहरण कारगिल फूड्स, प्रकाश फूड्स कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 58</p>	3x1=3
13	<p>हम भारत में लोहा और इस्पात उत्पादन में अपने पूर्ण संभाव्य का विकास नहीं कर पाए –</p> <p>(i) उच्च लागत तथा कोकिंग कोयले की सीमित उपलब्धता</p> <p>(ii) कम श्रमिक उत्पादकता</p> <p>(iii) ऊर्जा की अनियमित पूर्ति</p> <p>(iv) अविकसित अवसंरचना</p> <p>(v) कोई अन्य सम्बन्ध बिन्दु (किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">भू. 78</p>	3x1=3
14	<p>पिछले तीन दशको में भारत में पर्यटन उद्योग ने महत्वपूर्ण वृद्धि की है –</p> <p>(vi) देश में विदेशी पर्यटकों के आगमन से 21828 करोड़ विदेशी मुद्रा प्राप्त हुयी</p> <p>(vii) 150 लाख से अधिक व्यक्ति पर्यटन उद्योग से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित है</p> <p>(viii) प्रत्येक वर्ष भारत में 26 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आते है</p> <p>(ix) पर्यटन राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करता है, तथा स्थानीय हस्तकला की प्रश्रय देता है ।</p> <p>(x) कोई अन्य सम्बन्ध बिन्दु (किन्ही 3 बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">भू. 97-98</p>	3x1=3
15	<p>लोकतंत्र में सामाजिक विविधता को समायोजित किया जाता है :-</p> <p>(i) लोकतंत्र ऐसी व्यवस्था विकसित करता है जो विभिन्न जातीय समूहों की आकांक्षाओं के बीच सफलता पूर्वक सामंजस्य स्थापित करें</p> <p>(ii) वे आमतौर पर अपने अन्दर की प्रतिद्वन्द्वताओं को संभालने की प्रक्रिया विकसित कर लेती है ।</p> <p>(iii) इससे इन टकराओं के विस्फोट या हिंसक रूप लेने का अंदेशा कम हो जाता है।</p> <p>(iv) इसमें विभिन्न सामाजिक विभाजनों, वर्गों, संघर्षों को कम किया जा</p>	



	<p>सकता है।</p> <p>(v) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु। (किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है)</p> <p>लोक 96</p>	3x1=3
16	<p><b>भारत में दुर्ग-बस्तर-चंद्रपुर लोह-अयस्क पेट्टी की विशेषताएं :</b></p> <p>यह क्षेत्र महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के अंतर्गत है।</p> <p>(ii) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बेलाडिला पहाड़ी श्रृंखलाओं में अति उत्तम कोटि का हेमेटाइट पाया जाता है।</p> <p>(iii) पर्वत की श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ कोटि के हेमेटाइट लोह अयस्क के 14 जमाव हैं।</p> <p>(iv) इसमें इस्पात बनाने में आवश्यक सर्वश्रेष्ठ भौतिक गुण विद्यमान हैं।</p> <p>(v) इन खदानों का लौह अयस्क विशाखापट्टनम पत्तन से जापान तथा दक्षिण कोरिया को निर्यात किया जाता है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p>भू. 56</p>	3x1=3
17	<p><b>लोक तांत्रिक से संबद्ध मूल्य जो सद्भावपूर्ण सामाजिक जीवन उपलब्ध करते हैं :-</b></p> <p>(i) समस्त लोगों में समानता।</p> <p>(ii) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान।</p> <p>(iii) लोकतंत्र अनेक सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करता है। लोकतंत्र टकरावों के विस्फोटक या हिंसक रूप लेने के अंदेश को कम करनता है।</p> <p>(v) सामाजिक अंतर विभाजन और टकरावों को संभालने का गुण।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p>लोक. 96</p>	3x1=3
18	<p><b>सविनय अवज्ञा आंदोलन में व्यवसायी वर्गों की भूमिका :</b></p> <p>(i) व्यवसायी वर्गों ने ऐसी औपनिवेशिक नीतियों का विरोध किया जिनके कारण उनकी व्यावसायिक गतिविधियों में रूकावट आती थी।</p> <p>(ii) वे विदेशी वस्तुओं के आयात से सुरक्षा चाहते थे और रुपया-स्टर्लिंग विदेशी विनिमय अनुपात में बदलाव चाहते थे।</p> <p>(iii) व्यवसायिक हितों को संगठित करने के लिए उन्होंने 1920 में भारतीय औद्योगिक एवं व्यवसायिक कांग्रेस और 1927 में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (फिक्की) का गठन किया।</p> <p>(iv) उन्होंने आंदोलन के लिए आर्थिक सहायता दी।</p> <p>(v) उन्होंने आयातित सामानों को खरीदने और बेचने से इंकार कर दिया।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।</p>	3x1=3

	(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)	
	इति0 66	
19	<p><b>गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का निर्णय किया :-</b></p> <p>(i) गाँधीजी को लगता था कि विभिन्न स्थानों पर आंदोलन हिंसक होता जा रहा है।</p> <p>(ii) सत्याग्रहियों को व्यापक प्रशिक्षण की जरूरत है।</p> <p>(iii) कांग्रेस के कुछ नेता इस तरह के जनसंघर्षों से थक चुके थे। वे चुनाव में हिस्सा लेना चाहते थे।</p> <p>(iv) चौरा चौरा घटना आंदोलन को वापस लेने का तात्कालिक करण बनी।</p> <p>(v) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु। (किन्हीं 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p>	इति0 62
		3x1=3
20	<p><b>1830 के दशक में यूरोप में आई आर्थिक कठिनाइयां :-</b></p> <p>(i) यूरोप में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई।</p> <p>(ii) अधिकांश देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादाद उपलब्ध रोजगार से अधिक थी।</p> <p>(iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी।</p> <p>(iv) नगरों के लघु उत्पादकों का अकसर इंग्लैंड से आयातित मशीन से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था।</p> <p>(v) यूरोप के उन इलाकों में जहाँ कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता में था, कृषक, सामंती शुल्कों और जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे।</p> <p>(vi) खाने पीने की चीजों के मूल्य बढ़ने या किसी वर्ष फसल के खराब होने पर शहर और गांवों में व्यापक गरीबी फैल जाती थी।</p> <p>(vii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित)</p>	इति. 15
	अथवा	3x1=3
	<p><b>शिक्षा के क्षेत्र में फ्रांसीसियों को वियतनाम में आई समस्याएं :</b></p> <p>(i) वियतनाम के धनी और अमिजात्य तबके के लोग चीनी संस्कृति से गहरे तौर पर प्रभावित थे।</p> <p>(ii) फ्रांसीसियों की सत्ता को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए इस प्रभाव का समाप्त होना जरूरी था। फलस्वरूप पहले उन्होंने परंपरागत शिक्षा व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से तहस-नहस किया और फिर वियतनामियों के लिए फ्रांसीसी किस्म के स्कूल खोल दिए।</p> <p>(iii) समाज के खाते-पीते तबके के लोग चीनी भाषा का इस्तेमाल करते थे जिसे हटाना जरूरी था।</p> <p>इस सवाल पर लोगों के बीच दो मत थे। कुछ नीति-निर्माता मानते थे कि फ्रांसीसी भाषा को ही शिक्षा का माध्यम बनाया जाए। जबकि दूसरे का विचार था</p>	

	<p>कि अगर छोटी कक्षाओं में वियतनामी और बड़ी कक्षाओं में फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा दी जाएं तो ज्यादा बेहतर होगा।</p> <p>(iv) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु (किन्ही 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति. पृ.स. 34</p>	
21	<p><b>वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव :</b></p> <p>(i) वैश्वीकरण और उत्पादकों-स्थानीय एवं विदेशी दोनों के बीच वृहतर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ।</p> <p>(ii) उनके समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं।</p> <p>(iii) ये लोग पहले की तुलना में आज अपेक्षाकृत उच्चतर जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं।</p> <p>(iv) स्थानीय कंपनियां कच्चे माल की आपूर्ति से समृद्ध हो हुई हैं।</p> <p>(v) शीर्ष भारतीय कंपनियां बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा से लाभान्वित हुई हैं।</p> <p>(vi) कुछ भारतीय कंपनियों ने विदेशी कंपनियों के साथ सफलतापूर्वक सहयोग कर लाभ अर्जित किया।</p> <p>(vii) विगत बीस वर्षों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है। विशेषतः सेलफोन, मोटर गाड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, ठड़े पेय पदार्थ आदि।</p> <p>(viii) वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनी के रूप में उभरने के योग्य बनाया। उदाहरण – टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी एशियन पेंट्स आदि।</p> <p>(ix) कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 66,67</p>	5x1=5
22	<p>स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सामूहिक अपनेपन की भावना को विकसित किया गया –</p> <p>(i) यह आंशिक रूप से संयुक्त संघर्षों के चलते पैदा हुई</p> <p>(ii) कई सांस्कृतिक प्रक्रियाएं जिनके द्वारा राष्ट्रवाद लोगों की कल्पना और दिलों दिमाग पर छा गया।</p> <p>(iii) इतिहास व साहित्य, लोककथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया था।</p> <p>(iv) राष्ट्र की पहचान भारत माता की छवि का रूप लेने लगी।</p> <p>(v) बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान बदेमातरम् गीत खूब गाया गया था।</p> <p>(vi) आदर्श और प्रतीकों ने लोगों को इकट्ठा करने में मदद की और उन्हें राष्ट्रवाद की भावना के लिए प्रेरित किया।</p> <p>(vii) लोकगीत के पुनर्जीवन के आन्दोलन ने भी भारत में राष्ट्रवाद के विचार का विकास किया।</p>	

	<p>(viii) भाटों और चरणों द्वारा गावां में गायी जाने वाली लोक कथाओं ने परम्पारगत सांस्कृति की सही तस्वीर प्रस्तुत की ।</p> <p>(ix) इतिहास के पुनर्विश्लेषण ने राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न की ।</p> <p>(x) भारत के राष्ट्रवादी इतिहास पाठकों को भारत की महानता व उपलब्धियों पर गर्व करने और ब्रिटिश शासन के तहत दुर्दशा से मुक्ति के लिए संघर्ष का मार्ग अपनाने का आवाहन किया ।</p> <p>(x) कोई अन्य सम्बद्ध बिन्दु । (किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: center;">इति 64</p>	5x1=5
23	<p>किसी देश के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रगति उसके आर्थिक विकास का सूचक है :-</p> <p>(i) इसे एक देश के आर्थिक बैरोमीटर के रूप में लिया जाता है ।</p> <p>(ii) संसाधनों की उपलब्धता क्षेत्रीय है, इसलिए कोई भी देश बिना अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नहीं रह सकता ।</p> <p>(iii) एक अनुकूल व्यापार संतुलन आर्थिक विकास का द्योतक है ।</p> <p>(iv) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सरप्लस सामनों का उन स्थानों पर आदान प्रदान करने में सहायता करता है जहां उनकी कमी है,</p> <p>(v) वस्तुओं के आदान प्रदान की अपेक्षा सूचनाओं, ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का आदान प्रदान बढ़ा है</p> <p>कोई अन्य सम्बन्ध बिन्दु (किन्ही 5 बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: center;">भू0 97</p>	1+4=5
24	<p><b>राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई:</b></p> <p>(i) फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीति और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूहों में हस्तांतरित हो गई ।</p> <p>(ii) फ्रांसीसी लोगों में पितृभूमि और नागरिक के साथ सामूहिक पहचान की भावना का पैदा होना ।</p> <p>(iii) नेशनल एसेंबली का निर्माण ।</p> <p>(iv) नई स्तुतियाँ रची गई, शपथ ली गई ।</p> <p>(v) समान केंद्रीय कानून शुरू किए गए ।</p> <p>(vi) आंतरिक आयात-निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गई ।</p> <p>(vii) फ्रेंच राष्ट्र की साझा भाषा बन गई ।</p> <p>(viii) क्रांतिकारी युद्धों के शुरू होने के साथ ही फ्रांसीसी सेनाएं राष्ट्रवाद के विचार को विदेशों में ले जाने लगी ।</p> <p>(ix) कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित ।)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p style="text-align: right;">इति0 5</p>	5x1=5

	<p>अमेरिका को वियतनाम के विरुद्ध युद्ध से हटने के लिए मजबूर करने वाले कारण :</p> <p>(i) युद्ध के लंबा खिंचते जाने से अमेरिका में भी लोग सरकार के खिलाफ बोलने लगे थे।</p> <p>(ii) यह साफ दिखाइ दे रहा था कि अमेरिका अपने लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा है।</p> <p>(iii) अमेरिका ने तो वियतनामियों के प्रतिरोध को कुचल पाया था और न ही अमेरिकी कार्यवाही के लिए वियतनामी जनता का समर्थन प्राप्त कर पाया।</p> <p>(iv) इस दौरान हजारों नौजवान अमेरिकी सिपाही अपनी जान गवां चुके थे। सरकारी नीति के खिलाफ व्यापक प्रतिक्रियाओं ने युद्ध खत्म करने के प्रयासों को और बल प्रदान किया।</p> <p>(vi) अमेरिकी मीडिया और फिल्मों ने युद्ध के पक्ष और विरोध दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।</p> <p>(vii) कोई अन्य संबद्ध बिंदू (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख कीजिए)</p>	
25	<p><b>उदारीकरण का अर्थ –</b> सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया, उदारीकरण के नाम से जानी जाती है।</p> <p><b>उदारीकरण के प्रभाव :</b></p> <p>(i) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार।</p> <p>(ii) विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर से अवरोधों को काफी हद तक हटा दिया गया।</p> <p>(iii) विदेशी कंपनियां यहां अपने कार्यालय एवं कारखाने खोलने लगी ताकि उत्पादन में वृद्धि हो सके।</p> <p>(iv) व्यापार के उदारीकरण से व्यावसायियों को मुक्त रूप से निर्णय लेने की अनुमति मिली।</p> <p>(v) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं चार बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 64</p>	1+4=5
26	<p>राजनीतिक दलों के सुधार के लिए प्रभावी उपाय:-</p> <p>(i) राजनीतिक दलों के आन्तरिक काम काज को व्यवस्थित करने के लिए कानून बनाये जाने चाहिए।</p> <p>(ii) सभी दल अपने सदस्यों की सूची रखें, अपने संविधानका पालन करें। यह अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।</p> <p>(iii) राजनीतिक दल महिलाओं को एक खास न्यूनतम अनुपात में लगभग एक</p>	

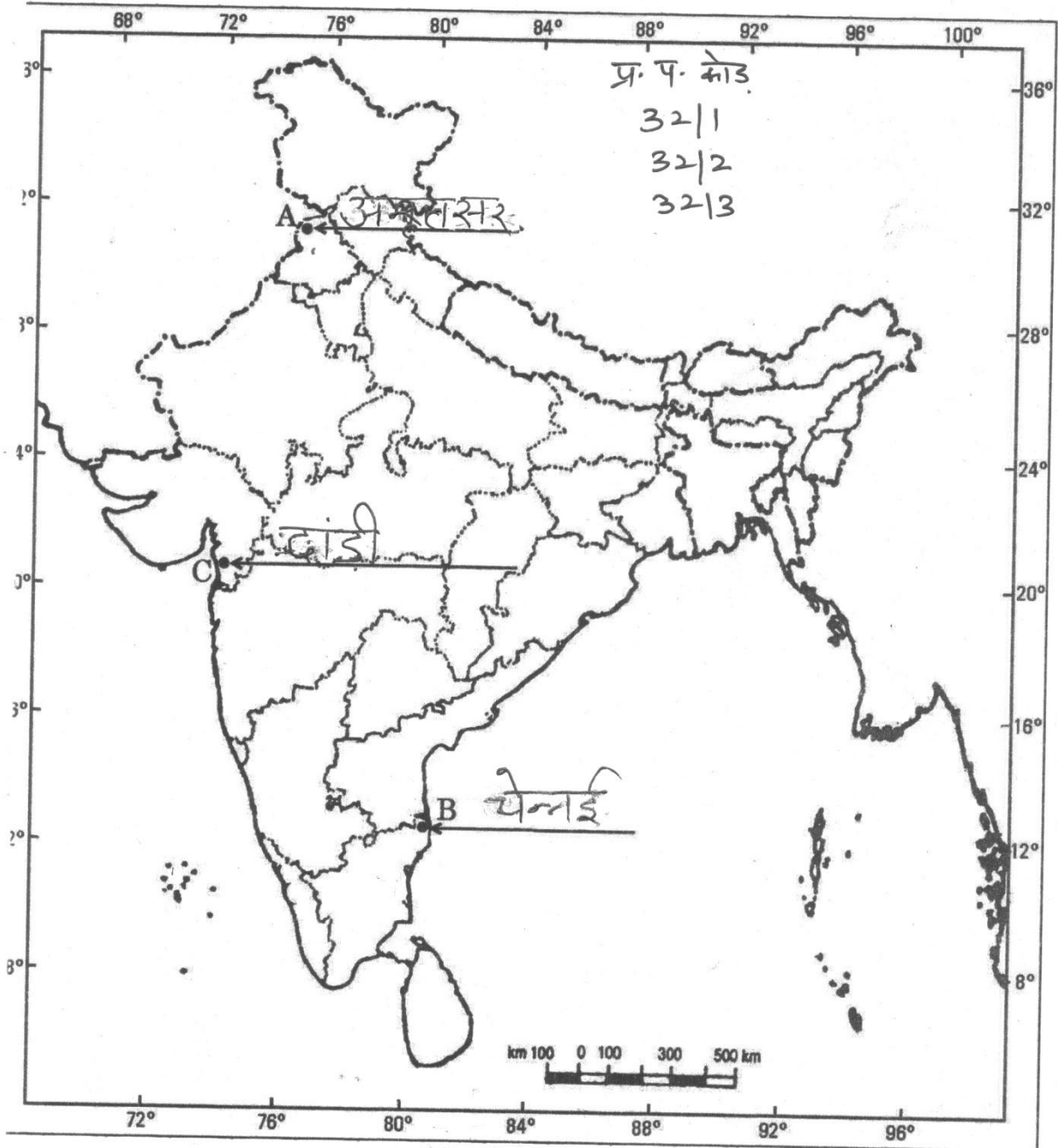
	<p>तिहाई टिकट अवश्य दें।</p> <p>(iv) चुनाव का खर्च सरकार उठाये, यह मदद पेट्रोल, कागज, फोन आदि के रूप में भी हो सकती है।</p> <p>(v) यह अनिवार्य किया जाए कि राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक चुनाव कराएँ</p> <p>(vi) लोग राजनीतिक दलों पर प्रचार, अर्जी और विरोध के द्वारा दबाव डालें।</p> <p>(vii) दलों को धन और अपराधियों का प्रभाव कम करना चाहिए।</p> <p>(viii) दलों द्वारा चुनाव लड़ने के लिए ऐसे व्यक्तियों का चयन करना चाहिए जिनका रिकार्ड अच्छा है।</p> <p>(ix) कोई अन्य सम्बद्ध बिन्दु (किन्ही 5 सुझावों का वर्णन अपेक्षित )</p> <p style="text-align: right;">लोक0 86</p>	5x1=5
27	<p><b>25 लोकतंत्र की विशेषताएँ :</b></p> <p>(i) नागरिकों में समानता को बढ़ावा देना है।</p> <p>(ii) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।</p> <p>(iii) इससे फैसलों में बेहतरी आती है।</p> <p>(iv) टकरावों को टालने संभालने का तरीका देता है।</p> <p>(v) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">लोक0 90</p>	5x1=5
28	<p><b>भारतीय अर्थव्यवस्था में रसायन उद्योगों की भूमिका :</b></p> <p>(i) इसकी भागेदारी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 3 प्रतिशत है।</p> <p>(ii) यह उद्योग एशिया का तीसरा तथा विश्व में आकार की दृष्टि से 12वें स्थान पर है।</p> <p>(iii) इसमें लघु तथा वृहत दोनों प्रकार की विनिर्माण इकाइयाँ सम्मिलित हैं।</p> <p>(iv) अकार्बनिक और कार्बनिक दोनों क्षेत्रों में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।</p> <p>(v) कार्बनिक रसायनों में पेट्रोरसायन शामिल है जो कृत्रिम वस्त्र कृत्रिम रबर प्लास्टिक, रंजक पदार्थ, दवाइयाँ, औषध रसायनों के बनाने में प्रयोग किए जाते हैं।</p> <p>(vi) अकार्बनिक रसायनों में सलफ्यूरिक अम्ल, उर्वरक, कृत्रिम वस्त्र, प्लास्टिक गोंद, रंग रोगन आदि सम्मिलित हैं।</p> <p>(vii) रसायन उद्योग अपने आप में एक बड़ा उपभोक्ता भी है।</p> <p>(viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">भू. 79</p>	5x1=5

29	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए।</p> <p>केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>29.1 अमृतसर 29.2 बिहार 29.3 दांडी</p>	3x1=3
30	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए –</p> <p>केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>30.1 उत्तर प्रदेश 30.2 तमिलनाडू 30.3 छत्तीसगढ़</p>	3x1=3

न सं. 29 के लिए

For question no. 29

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)

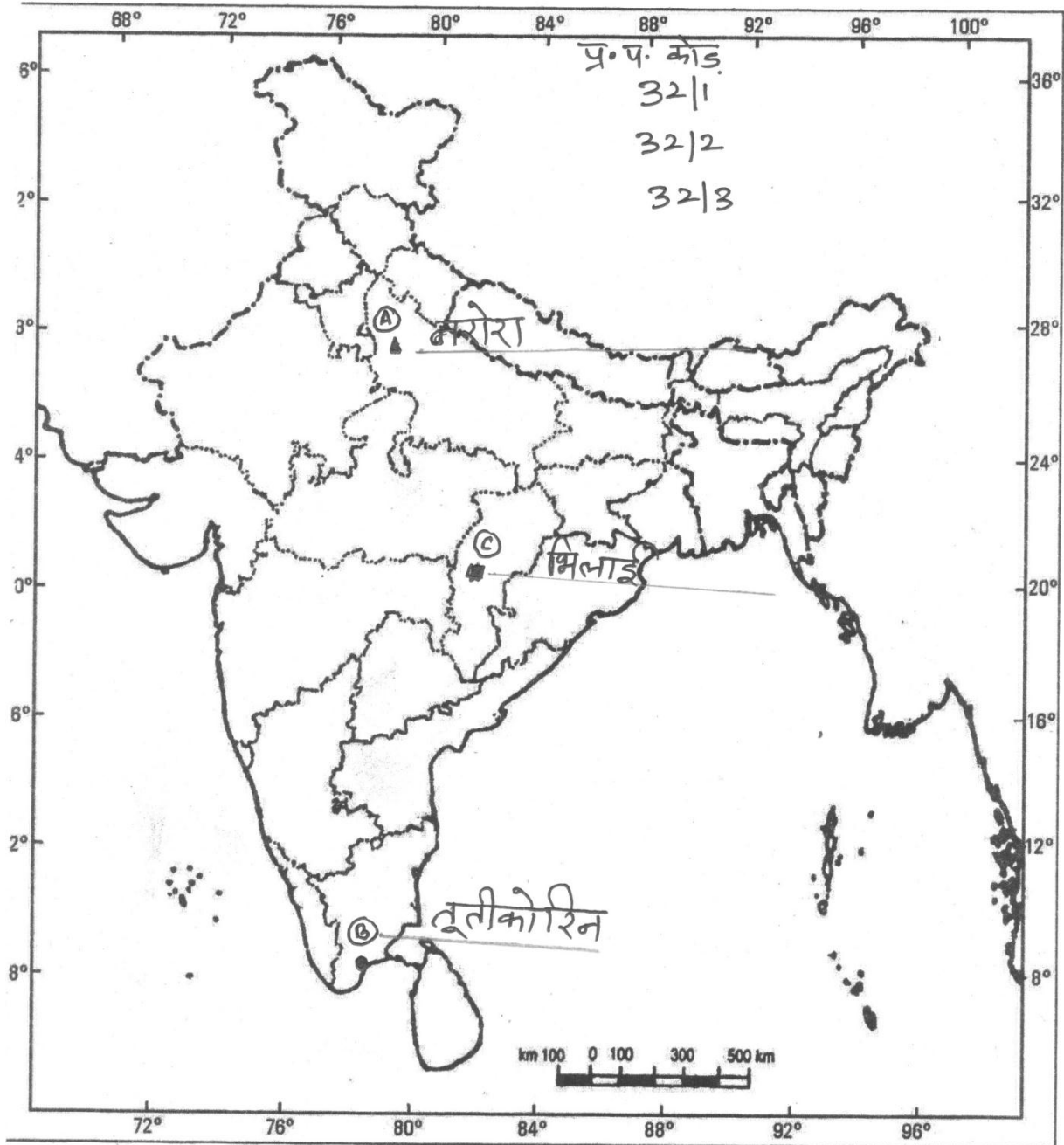




प्र. सं. 30 के लिए

For question no. 30

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)



अंक योजना  
सामाजिक विज्ञान (अखिल भारतीय)  
सेकेन्डरी स्कूल परीक्षा मार्च 2017  
संकलित परीक्षा-II  
कोड़ 32/3

प्रश्न संख्या	संभावित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक
1	सत्याग्रह के विचार में सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता है। इति 55 1	1
2	आग्नेय तथा कायांतरित चट्टानों में खनिज दरारों, जोड़ों भ्रंशों व विदारों में मिलते हैं। भू. 54	1
3	जब लोगों को सरकार के निर्णय लेने की प्रक्रिया को जानने का अधिकार और इसके साधन उपलब्ध हो, उसे पारदर्शिता कहते हैं। लोक0 9	1
4	<b>पैकिटों पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य हमारे लिए लाभकारी है :-</b> (i) विक्रेता मुद्रित मूल्य से अधिक दाम पर वस्तु को नहीं बेच सकता है। (ii) हम अधिकतम खुदरा मूल्य से कम दाम पर वस्तु देने के लिए मोल भाव कर सकते हैं। (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित।) अर्थ0 80	1
5	<b>उपभोक्ता के चुनने के अधिकारी के उल्लंघन का उदाहरण -</b> यदि आप एक दंत मंजन खरीदना चाहते हैं और दुकानदार कहता है कि वह केवल दंतमंजन तभी बेचेगा जब आप दंतमंजन के साथ एक ब्रश भी खरीदेंगे। अगर आप ब्रश खरीदने के इच्छुक नहीं हैं, तब आपके चुनने के अधिकार उल्लंघन हुआ। कोई अन्य संबद्ध उदाहरण (एक उदाहरण की व्याख्या अपेक्षित।) अर्थ0 80	1
6	'लोकतंत्र शासन का वह स्वरूप है जिसमें लोग अपने शासकों का चुनाव स्वयं करते हैं।' लोक0 111	1
7	<b>भारत के राजनीतिक दल जिनका जन्म आंदोलन से हुआ :-</b> (I) असम गण परिषद (II) डी.एम.के. (द्रविड मुनेत्र कडगम) (III) ए.आई.ए.डी.एम.के. (ऑल इंडिया अन्ना डी.एम.के.) (IV) आप (आम आदमी पार्टी) (किसी एक दल का नाम उल्लेख)	1

	लोक0 67,82	
8	जिस व्यक्ति के पास मुद्रा है, वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। उदाहरण – जूता बनाने वाला पहले जूतों के बदले मुद्रा प्राप्त करेगा और फिर उस मुद्रा का इस्तेमाल गेहूँ खरीदने के लिए करेगा। कोई अन्य संबंध उदाहरण	1
	अर्थ0 39	
9	<b>उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम (कोपरा) के अंतर्गत त्रि-स्तरीय न्यायिक तंत्र :-</b> (i) कोपरा के अंतर्गत देश, राज्य और जिला स्तर पर त्रि-स्तरीय न्यायिकतंत्र स्थापित किया गया है। (ii) जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमां पर विचार करता है। (iii) राज्य स्तरीय अदालतें 20 लाख से 1 करोड़ तक। (iv) राष्ट्रीय स्तर की अदालतें एक करोड़ से ऊपर की दावेदारी से संबंधित मुकदमों देखती है।	3x1=3
	अर्थ 84	
10	<b>बहुराष्ट्रीय कंपनियां विश्वभर के उत्पादों को एक दूसरे के साथ जोड़ती हैं –</b> (i) बहुराष्ट्रीय कंपनियें कई तरह से अपने उत्पादक कार्य का प्रसार कर रही हैं। (ii) विश्व के कई देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ पारस्परिक संबंध स्थापित कर रही हैं। स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी द्वारा आपूर्ति के लिए स्थानीय कंपनियों से निकट प्रतिस्पर्धा करके अथवा उन्हें खरीदकर। (iii) बहुराष्ट्रीय कंपनियां दूरस्थ स्थानों के उत्पादन पर अपना प्रभाव जमा रही हैं। (iv) परिणामतः दूर-दूर स्थानों पर फैला उत्पादन परस्पर संबंधित हो रहा है। (v) उदाहरण कारगिल फूड्स, प्रकाश फूड्स कोई अन्य संबंध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।	3x1=3
	अर्थ 58	
11	<b>भारत में बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियां :</b> (i) बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। (ii) बैंक जमा राशि का लोगों की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। (iii) बैंक जिनके पास अतिरिक्त राशि है (जमाकर्ता) एवं जिन्हें राशि की जरूरत है (कर्जदार) के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं। (iv) बैंक जमा पर जो ब्याज देते हैं उससे ज्यादा ऋण पर लेते हैं। (v) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)	3x1=3
	अर्थ0 4	
12	<b>दबाव-समूह और आंदोलन लोकतंत्र को मजबूत करते हैं :-</b>	

	<p>दबाव-समूह और आंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं। इसके लिए सूचना अभियान चलाना, बैठक आयोजित करना अथवा अर्जी दायर करने जैसे तरीकों का सहारा लिया जाता है।</p> <p>(ii) ऐसे समूह अवसर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं।</p> <p>कुछ मामलों में दबाव-समूह दलों द्वारा ही बनाए गए होते हैं अथवा उनका नेतृत्व राजनीतिक दल के नेता करते हैं। कुछ दबाव-समूह राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में काम करते हैं।</p> <p>(iv) कभी-कभी आंदोलन राजनीतिक दल का रूप अख्तियार कर लेते हैं।</p> <p>(v) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">लोक0 66,67</p>	3x1=3
13	<p>भारत में खनिजों का वितरण असमान है –</p> <p>(i) मोटे तौर पर प्रायद्वीपीय चट्टानों में कोयले, धात्विक खनिज, अभ्रक व अन्य अनेक अधात्विक खनिजों के अधिकांश भंडार संचित हैं।</p> <p>(ii) प्रायद्वीप के पश्चिमी और पूर्वी पार्श्वों पर गुजरात और असम की तलछटी चट्टानों में अधिकांश खनिज तेल निक्षेप पाए जाते हैं।</p> <p>(iii) प्रायद्वीप शैल क्रम के साथ राजस्थान में अनेक अलौह खनिज पाए जाते हैं। उत्तरी भारत के विस्तृत जलोढ़ मैदान आर्थिक महत्व के खनिजों से लगभग विहीन है।</p> <p>(iv) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)</p>	3x1=3
14	<p>स्वर्णिम चतुर्भुज महा-राजमार्गों की तीन विशेषताएं :</p> <p>(i) भारत सरकार की दिल्ली-कोलकत्ता, चेन्नई, मुंबई व दिल्ली को जोड़ने वाली परियोजना है।</p> <p>(ii) यह 6 लेन वाली महामार्गों की सड़क है।</p> <p>(iii) इसका प्रमुख उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य की दूरी व परिवहन समय का न्यूनतम करना है।</p> <p>(iv) यह त्वरित गति से यात्रियों व सामानों को एक स्थान से दूसरे पर पहुंचने के लिए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एच.एच.ए.आई.) के अधिकार क्षेत्र में हैं।</p> <p style="text-align: right;">भू. 88</p>	3x1=3
15	<p>लोकतंत्र में विपक्षी राजनीतिक दलों की भूमिका :</p> <p>(i) अलग राय की आवाज ।</p> <p>(ii) सरकार की विफलताओं और गलत नीतियों की आलोचना।</p> <p>(iii) विपक्षी दल सरकार के खिलाफ आम जनता को भी गोलबंद करते हैं।</p> <p>(iv) कोई अन्य संबंध बिंदु । (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	

	लोक 74	3x1=3
16	<p><b>1830 के दशक में यूरोप में आई आर्थिक कठिनाइयां :-</b></p> <p>(i) यूरोप में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई।</p> <p>(ii) अधिकांश देशों में नौकरी ढूँढने वालों की तादाद उपलब्ध रोजगार से अधिक थी।</p> <p>(iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़ से भरी गरीब बस्तियों में रहने लगी।</p> <p>(iv) नगरों के लघु उत्पादकों का अकसर इंग्लैंड से आयातित मशीन से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था।</p> <p>(v) यूरोप के उन इलाकों में जहाँ कुलीन वर्ग अभी भी सत्ता में था, कृषक, सामंती शुल्कों और जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे थे।</p> <p>(vi) खाने पीने की चीजों के मूल्य बढ़ने या किसी वर्ष फसल के खराब होने पर शहर और गांवों में व्यापक गरीबी फैल जाती थी।</p> <p>(vii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु (किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति. 15</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p><b>शिक्षा के क्षेत्र में फ्रांसीसियों को वियतनाम में आई समस्याएं :</b></p> <p>(i) वियतनाम के धनी और अमिजात्य तबके के लोग चीनी संस्कृति से गहरे तौर पर प्रभावित थे।</p> <p>(ii) फ्रांसीसियों की सत्ता को सुदृढ़ आधार प्रदान करने के लिए इस प्रभाव का समाप्त होना जरूरी था। फलस्वरूप पहले उन्होंने परंपरागत शिक्षा व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से तहस-नहस किया और फिर वियतनामियों के लिए फ्रांसीसी किस्म के स्कूल खोल दिए।</p> <p>(iii) समाज के खाते-पीते तबके के लोग चीनी भाषा का इस्तेमाल करते थे जिसे हटाना जरूरी था।</p> <p>इस सवाल पर लोगों के बीच दो मत थे। कुछ नीति-निर्माता मानते थे कि फ्रांसीसी भाषा को ही शिक्षा का माध्यम बनाया जाए। जबकि दूसरे का विचार था कि अगर छोटी कक्षाओं में वियतनामी और बड़ी कक्षाओं में फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा दी जाए तो ज्यादा बेहतर होगा।</p> <p>(iv) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु (किन्हीं 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति. पृ.स. 34</p>	3x1=3
17	<p><b>द्व मूल्य जो सद्भावपूर्ण सामाजिक जीवन उपलब्ध करते हैं :-</b></p> <p>(i) समस्त लोगों में समानता।</p> <p>(ii) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान।</p> <p>(iii) लोकतंत्र अनेक सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करता है।</p>	

	<p>लोकतंत्र टकरावों के विस्फोटक या हिंसक रूप लेने के अंदेश को कम करनता है।</p> <p>(v) सामाजिक अंतर विभाजन और टकरावों को संभालने का गुण।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">लोक. 96</p>	3x1=3
18	<p><b>गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का निर्णय किया :-</b></p> <p>(i) गाँधीजी को लगता था कि विभिन्न स्थानों पर आंदोलन हिंसक होता जा रहा है।</p> <p>(ii) सत्याग्रहियों को व्यापक प्रशिक्षण की जरूरत है।</p> <p>(iii) कांग्रेस के कुछ नेता इस तरह के जनसंघर्षों से थक चुके थे। वे चुनाव में हिस्सा लेना चाहते थे।</p> <p>(iv) चौरी चौरा घटना आंदोलन को वापस लेने का तात्कालिक करण बनी।</p> <p>(v) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु। (किन्ही 3 बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">इति0 62</p>	3x1=3
19	<p><b>सविनय अवज्ञा आंदोलन में व्यवसायी वर्गों की भूमिका :</b></p> <p>(i) व्यवसायी वर्गों ने ऐसी औपनिवेशिक नीतियों का विरोध किया जिनके कारण उनकी व्यावसायिक गतिविधियों में रूकावट आती थी।</p> <p>(ii) वे विदेशी वस्तुओं के आयात से सुरक्षा चाहते थे और रूपया-स्टर्लिंग विदेशी विनिमय अनुपात में बदलाव चाहते थे।</p> <p>(iii) व्यवसायिक हितों को संगठित करने के लिए उन्होंने 1920 में भारतीय औद्योगिक एवं व्यवसायिक कांग्रेस और 1927 में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (फिक्की) का गठन किया।</p> <p>(iv) उन्होंने आंदोलन के लिए आर्थिक सहायता दी।</p> <p>(v) उन्होंने आयातित सामानों को खरीदने और बेचने से इंकार कर दिया।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">इति0 66</p>	3x1=3
20	<p><b>भारत में दुर्ग-बस्तर-चंद्रपुर लोह-अयस्क पेट्टी की विशेषताएं :</b></p> <p>यह क्षेत्र महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के अंतर्गत है।</p> <p>(ii) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बेलाडिला पहाड़ी श्रृंखलाओं में अति उत्तम कोटि का हेमेटाइट पाया जाता है।</p> <p>(iii) पर्वत की श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ कोटि के हेमेटाइट लोह अयस्क के 14 जमाव हैं।</p> <p>(iv) इसमें इस्पात बनाने में आवश्यक सर्वश्रेष्ठ भौतिक गुण विद्यमान हैं।</p> <p>(v) इन खदानों का लौह अयस्क विशाखापट्टनम पत्तन से जापान तथा दक्षिण कोरिया को निर्यात किया जाता है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">भू. 56</p>	3x1=3

21	<p><b>उदारीकरण का अर्थ –</b> सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया, उदारीकरण के नाम से जानी जाती है ।</p> <p><b>उदारीकरण के प्रभाव :</b></p> <p>(i) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार ।  (ii) विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर से अवरोधों को काफी हद तक हटा दिया गया ।  (iii) विदेशी कंपनियां यहां अपने कार्यालय एवं कारखाने खोलने लगी ताकि उत्पादन में वृद्धि हो सके ।  (iv) व्यापार के उदारीकरण से व्यावसायियों को मुक्त रूप से निर्णय लेने की अनुमति मिली ।  (v) प्रतिस्पर्धा से देश में उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार ।  (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु ।  (किन्हीं चार बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित ।</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 64</p>	1+4=5
22	<p>अस्पृश्यता की समस्या को समाप्त करने के लिए गाँधीजी द्वारा किए गए प्रयास :</p> <p>(i) महात्मा गाँधी ने ऐलान किया कि अस्पृश्यता (छुआछूत) को खत्म किए बिना सौ साल तक भी स्वराज की स्थापना नहीं की जा सकती ।  (ii) उन्होंने अछूतों को हरिजन यानी ईश्वर की संतान बताया ।  (iii) उन्हें मंदिरों, सार्वजनिक तालाबों सड़कों और कुओं पर अधिकार दिलाने के लिए सत्याग्रह किया ।  (iv) मैला ढोने वाले के काम को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए वे खुद शौचालय साफ करने लगे ।  (iv) उन्होंने ऊँची जातियों का आह्वान किया कि वे अपना हृदय परिवर्तन करें और अस्पृश्यता के पाप को छोड़ दें ।  (vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु  (किन्हीं पांच उपायों की व्याख्या अपेक्षित)</p>	5x1=5
23	<p>भारत में उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक :</p> <p>(i) कच्चे माल की उपलब्धता ।  (ii) कुशल श्रमिक ।  (iii) बिजली की पर्याप्त आपूर्ति ।  (iv) बाजार की उपलब्धता ।  (v) पूँजी—इसकी आवश्यकता जमीन खरीदने, मशीन और श्रमिकों को पैसा देने तथा उद्योगों की दूसरी जरूरतों के पूरा करने के लिए है ।</p>	

	<p>(vi) जल आपूर्ति ।  (vii) परिवहन ।  (viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु ।  (किंही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">भू. 70</p>	5x1=5
24	<p><b>वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव :</b></p> <p>(i) वैश्वीकरण और उत्पादकों-स्थानीय एवं विदेशी दोनों के बीच वृहतर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ ।</p> <p>(ii) उनके समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं ।</p> <p>(iii) ये लोग पहले की तुलना में आज अपेक्षाकृत उच्चतर जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं ।</p> <p>(iv) स्थानीय कंपनियां कच्चे माल की आपूर्ति से समृद्ध हो हुई हैं ।</p> <p>(v) शीर्ष भारतीय कंपनियां बढी हुई प्रतिस्पर्धा से लाभान्वित हुई हैं ।</p> <p>(vi) कुछ भारतीय कंपनियों ने विदेशी कंपनियों के साथ सफलतापूर्वक सहयोग कर लाभ अर्जित किया ।</p> <p>(vii) विगत बीस वर्षों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है। विशेषतः सेलफोन, मोटर गाड़ियां, इलेक्ट्रानिक उत्पाद, ठड़े पेय पदार्थ आदि ।</p> <p>(viii) वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनी के रूप में उभरने के योग्य बनाया ।  उदाहरण – टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी एशियन पेंट्स आदि ।</p> <p>(ix) कोई अन्य संबद्ध बिंदु  (किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित ।)</p> <p style="text-align: right;">अर्थ 66,67</p>	5x1=5
25	<p><b>राष्ट्रवाद की पहली स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के साथ हुई:</b></p> <p>(i) फ्रांसीसी क्रांति से जो राजनीति और संवैधानिक बदलाव हुए उनसे प्रभुसत्ता राजतंत्र से निकलकर फ्रांसीसी नागरिकों के समूहों में हस्तांतरित हो गई ।</p> <p>(ii) फ्रांसीसी लोगों में पितृभूमि और नागरिक के साथ सामूहिक पहचान की भावना का पैदा होना ।</p> <p>(iii) नेशनल एसेंबली का निर्माण ।</p> <p>(iv) नई स्तुतियाँ रची गई, शपथ ली गई ।</p> <p>(v) समान केंद्रीय कानून शुरू किए गए ।</p> <p>(vi) आंतरिक आयात-निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए और भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गई ।</p> <p>(vii) फ्रेंच राष्ट्र की साझा भाषा बन गई ।</p> <p>(viii) क्रांतिकारी युद्धों के शुरू होने के साथ ही फ्रांसीसी सेनाएं राष्ट्रवाद के विचार को विदेशों में ले जाने लगी ।</p>	



	<p>(ix) कोई अन्य संबंध बिंदु (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित।)</p> <p style="text-align: right;">इति 0 5</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>अमेरिका को वियतनाम के विरुद्ध युद्ध से हटने के लिए मजबूर करने वाले कारण :</p> <p>(i) युद्ध के लंबा खिंचते जाने से अमेरिका में भी लोग सरकार के खिलाफ बोलने लगे थे।</p> <p>(ii) यह साफ दिखाइ दे रहा था कि अमेरिका अपने लक्ष्य को हासिल करने में विफल रहा है।</p> <p>(iii) अमेरिका ने तो वियतनामियों के प्रतिरोध को कुचल पाया था और न ही अमेरिकी कार्यवाही के लिए वियतनामी जनता का समर्थन प्राप्त कर पाया।</p> <p>(iv) इस दौरान हजारों नौजवान अमेरिकी सिपाही अपनी जान गवां चुके थे। सरकारी नीति के खिलाफ व्यापक प्रतिक्रियाओं ने युद्ध खत्म करने के प्रयासों को और बल प्रदान किया।</p> <p>(vi) अमेरिकी मीडिया और फिल्मों ने युद्ध के पक्ष और विरोध दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।</p> <p>(vii) कोई अन्य संबंध बिंदु (किन्हीं पांच बिंदुओं की परख कीजिए)</p>	5x1=5
26	<p>सभी देशों और सभी परिस्थितियों में कोई भी दलीय व्यवस्था आदर्श नहीं है :-</p> <p>(i) यह एक लंबे समय के कामकाज के बाद समाज की प्रकृति के अनुरूप खुद विकसित होती है।</p> <p>(ii) सामाजिक और क्षेत्रीय विभेदों पर निर्भर है।</p> <p>(iii) यह राजनीति के इतिहास और इसकी चुनाव प्रणाली पर निर्भर करती है।</p> <p>(iv) इसे बहुत जल्दी बदला नहीं जा सकता।</p> <p>(v) हर देश अपनी विशेष परिस्थितियों के अनुरूप दलीय व्यवस्था विकसित करता है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबंध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित)</p> <p style="text-align: right;">लोक 77</p>	5x1=5
27	<p><b>भारतीय अर्थव्यवस्था में रसायन उद्योगों की भूमिका :</b></p> <p>(i) इसकी भागेदारी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 3 प्रतिशत है।</p> <p>(ii) यह उद्योग एशिया का तीसरा तथा विश्व में आकार की दृष्टि से 12वें स्थान पर है।</p> <p>(iii) इसमें लघु तथा वृहत दोनों प्रकार की विनिर्माण इकाइयाँ सम्मिलित हैं।</p> <p>(iv) अकार्बनिक और कार्बनिक दोनों क्षेत्रों में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।</p> <p>(v) कार्बनिक रसायनों में पेट्रोरसायन शामिल है जो क्रत्रिम वस्त्र कृत्रिम रबर प्लास्टिक, रंजक पदार्थ, दवाइयाँ, औषध रसायनों के बनाने में प्रयोग किए जाते हैं।</p>	

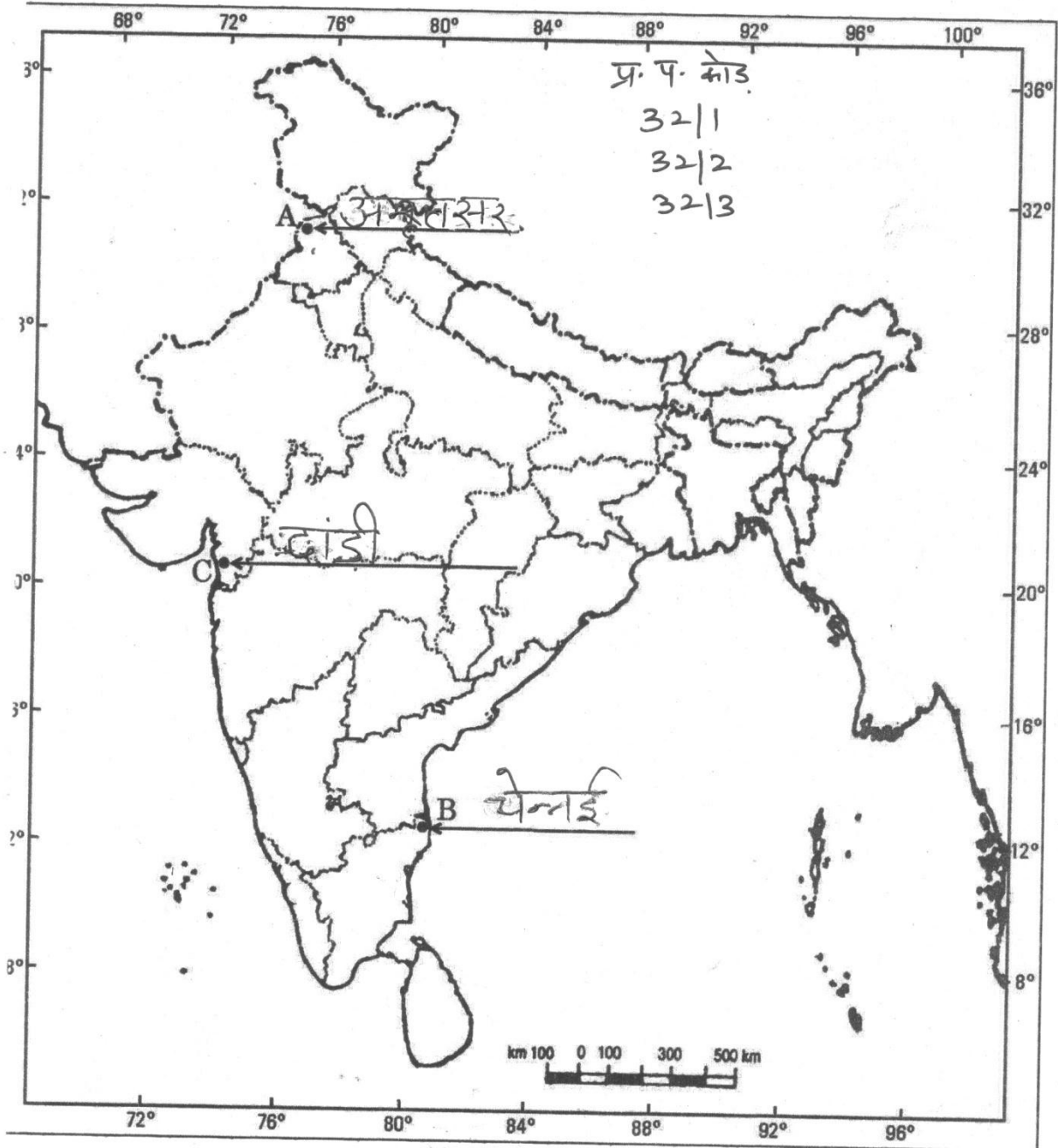
	<p>(vi) अकार्बनिक रसायनों में सलफ्यूरिक अम्ल, उर्वरक, कृत्रिम वस्त्र, प्लास्टिक गोंद, रंग रोगन आदि सम्मिलित हैं।</p> <p>(vii) रसायन उद्योग अपने आप में एक बड़ा उपभोक्ता भी है।</p> <p>(viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	<p>भू. 79</p> <p>5x1=5</p>
28	<p><b>लोकतंत्र की विशेषताएँ :</b></p> <p>(i) नागरिकों में समानता को बढ़ावा देना है।</p> <p>(ii) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।</p> <p>(iii) इससे फैसलों में बेहतरी आती है।</p> <p>(iv) टकरावों को टालने संभालने का तरीका देता है।</p> <p>(v) गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।</p> <p>(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)</p>	<p>लोक0 90</p> <p>5x1=5</p>
29	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए।</p> <p>केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>29.1 अमृतसर 29.2 बिहार 29.3 दांडी</p>	<p>3x1=3</p>
30	<p>भरे हुए संलग्न मानचित्र को देखिए – केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए</p> <p>30.1 उत्तर प्रदेश 30.2 तमिलनाडू 30.3 छत्तीसगढ़</p>	<p>3x1=3</p>



न सं. 29 के लिए

For question no. 29

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)



प्र. सं. 30 के लिए

For question no. 30

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)  
Outline Map of India (Political)

